

अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025

थीम: दाल, तिलहन, फल एवं सब्जी बीज उत्पादन तथा कृषि-निर्यात के लिए विशेषीकृत सहकारिताओं के प्रचार-प्रसार हेतु कार्यक्रम

स्थान: पियारजोर, पिपरा, बलथर पंचायत, प्रखंड - मोहनपुर, जिला - देवघर, झारखंड

तिथि: 22/08/2025

आयोजक: NABARD

सहयोगी संस्था: ग्राम स्तरीय किसान समूह

पृष्ठभूमि:

अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 के अवसर पर NABARD द्वारा विशेषीकृत सहकारिताओं के माध्यम से कृषि को संगठित और लाभकारी बनाने की पहल के तहत यह कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य दाल, तिलहन, फल एवं सब्जियों के बीज उत्पादन को प्रोत्साहित करना, निर्यात की संभावनाओं को उजागर करना तथा किसानों को सहकारी संगठनों के तहत संगठित कर आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में अग्रसर करना था।

कार्यक्रम के उद्देश्य:

- * दाल, तिलहन, फल एवं सब्जी बीज उत्पादन की वैज्ञानिक पद्धतियों की जानकारी प्रदान करना।
- * किसानों को कृषि-निर्यात के नियम, प्रक्रियाओं और लाभ के बारे में जागरूक करना।
- * सहकारी संगठनों के माध्यम से सामूहिक विपणन एवं मूल्य संवर्धन को बढ़ावा देना।
- * NABARD समर्थित कार्यक्रमों द्वारा तकनीकी और वित्तीय सहयोग की जानकारी देना।

प्रमुख गतिविधियाँ:

1. तकनीकी सत्र - बीज उत्पादन एवं प्रसंस्करण:

- * उन्नत किस्मों के बीज उत्पादन की तकनीक एवं गुणवत्ता मानकों की जानकारी दी गई।
- * बीज प्रसंस्करण, भंडारण और पैकेजिंग की आधुनिक तकनीकों का प्रदर्शन किया गया।

2. कृषि-निर्यात पर मार्गदर्शन:

- * कृषि उत्पादों के निर्यात हेतु आवश्यक लाइसेंस, प्रमाणन एवं गुणवत्ता मानकों की जानकारी दी गई।
- * निर्यात केंद्रों से जुड़ने की प्रक्रिया और सरकारी प्रोत्साहन योजनाओं पर विस्तृत चर्चा हुई।

3. सहकारी संगठनों की भूमिका:

- * विशेषीकृत सहकारिताओं के माध्यम से सामूहिक विपणन, प्रसंस्करण और मूल्य वर्धन के लाभ समझाए गए।
- * FPO (किसान उत्पादक संगठन) एवं SHG (स्वयं सहायता समूह) को मजबूत बनाने के उपाय सुझाए गए।

4. वित्तीय एवं तकनीकी सहयोग पर जागरूकता:

- * NABARD द्वारा दी जाने वाली ऋण एवं अनुदान योजनाओं की जानकारी दी गई।
- * किसानों को डिजिटल प्लेटफॉर्म और e-NAM (राष्ट्रीय कृषि बाजार) से जोड़ने के तरीकों पर चर्चा हुई।

उपलब्धियाँ:

- * तीन पंचायतों के 40 से अधिक किसानों की सक्रिय भागीदारी।
- * बीज उत्पादन और कृषि-निर्यात की संभावनाओं पर ठोस कार्ययोजना की शुरुआत हुई।



